प्रतिबिम्ब

2019

कर्तव्य निष्ठा और श्रद्धा

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

उप्पल, हैदराबाद–500 039

संरक्षक

ले0जन0 गिरीश कुमार, (वि.से.मे.)
भारत के महासर्वेक्षक
एवं
अपर महासर्वेक्षक(वर्तमान कार्यभार)
भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान

परामर्शदाता

श्री एस.के सिन्हा,उप महासर्वेक्षक

कर्नल.बी.सरीन चन्दर,उप महासर्वेक्षक

कर्नल सुनील एस फतेहपूर,उप महासर्वेक्षक

श्री महेश आर,उप महासर्वेक्षक

सहयोग

वि.विद्यासागर

वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक

बी.सी.पाण्डेय

सर्वेक्षक

इस पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार रचनाकारों के निजी विचार हैं।उनसे भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान का कोई सम्बंध नहीं।

ले जनरल गिरीश कुमार, वी.एस.एम.
Lt General Girish Kumar, VSM

भारत के महासर्वेक्षक
Surveyor General of India

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय
हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बॉक्स नं0 37
देहरादून – 248001(उत्तराखण्ड), भारत
SURVEY OF INDIA
Surveyor General's Office
Hathibarkala Estate , Post Box No. – 37
Dehradun -248001, (Uttarakhand), India

संदेश

जब हम प्रगति और विकास की बात करते हैं तो वह चाहे राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में हो या अनुसंधान या आविष्कार के क्षेत्र में, इसकी कोई अंतिम सीमा तय नहीं की जा सकती और इसका कोई पड़ाव या ठहराव नहीं हो सकता । इस यात्रा में हमें एक के बाद एक मील के पत्थर तय करते हुए आगे बढ़ना होता है । मेरा मानना है कि हिन्दी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में प्रतिबिंब का प्रकाशन ऐसा ही एक महत्वपूर्ण कदम है । शुभकामनाओं के साथ .....

(गिरिश कुमार) वी0एस0एम0
ले0 जनरल
भारत के महासर्वेक्षक एवं
अपर महासर्वेक्षक
आई0 आई0 एस0 एम0

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान
उप्पल, हैदराबाद – 500 039
INDIAN INSTITUTE OF SURVEYING & MAPPING
UPPAL, HYDERABAD – 500 039,

संदेश

भाषा धर्म और सांस्कृतिक दृष्टि से भारत संसार का सर्वाधिक विविधता वाला देश है। इतनी बडी जनसंख्या वाले देश को एक सूत्र में बांधने के लिये यहाँ सभी लोगों को राजभाषा का ज्ञान होना जरूरी है, जिसे व समझ लिख व बोल सके।

अन्य भाषाओं राज्य भाषा अथवा विदेशी भाषा को जानना गैरव की बात है मगर अपनी भाषा को सम्मान देना भी अत्यंत सम्मान की बात है। हिन्दी भाषा ही पूरे भारत को एक सूत्र में पिरो सकती है। कार्यालय में यथा संभव पत्र व्यवहार को सरल एवं बोलचाल की भाषा में प्रयोग करके हिन्दी भाषा का सम्मान करें।

शुभकामनाओं के साथ

(एस के सिन्हा)
उप महासर्वेक्षक
आई आई एस एम

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान

उप्पल, हैदराबाद – 500 039

INDIAN INSTITUTE OF SURVEYING & MAPPING

UPPAL, HYDERABAD – 500 039,

संदेश

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान की वार्षिक पत्रिका के प्रतिबिंब प्रकाशन के अवसर पर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है ।

गृह पत्रिका के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बौद्दिक रूचि एवं गतिविधियों का बोध होता है। उनकी रचनाओं में विषय वस्तु की गंभीरता तथा सरल भाषा के द्वारा उनकी भावनाओं को अभिव्यक्त करने की क्षमता का प्रदर्शन होता है। आशा है कि सभी अधिकारी व कर्मचारी इस प्रतिबिंब में अपना नैसर्गिक योगदान देकर इसकी महत्ता को बढ़ाएँगे ।

(सरीन चन्दर)कर्नल

उप महासर्वेक्षक(मुख्यालय)

आई आई एस एम

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान
उप्पल, हैदराबाद – 500 039
INDIAN INSTITUTE OF SURVEYING & MAPPING
UPPAL, HYDERABAD – 500 039,

संदेश

हिन्दी हमारी हमारी राष्ट्रभाषा है और अहिन्दी भाषी राज्यों में यह संपर्क भाषा के रूप में विकसित हो रही है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिन्दी के प्रचार एवं प्रसार का दायित्व हम सब पर हैं।

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान द्वारा हर वर्ष प्रकाशित हो रहे गृह पत्रिक प्रतिबिंब हिन्दी के कार्यान्वयन क्षेत्र में संस्थान की निष्ठा का द्योतक है। सभी रचनाकारों का यह प्रयास प्रशंसनीय हैं, और अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी इस से प्रेरणा लेकर आगामी अंक के अंक अपना अपना योगदान देना चाहियें। पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनायें

सुनील एस फतेहपूर

(सुनील एस फतेहपूर) कर्नल
उप महासर्वेक्षक
आई आई एस एम

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान

उप्पल, हैदराबाद – 500 039

INDIAN INSTITUTE OF SURVEYING & MAPPING

UPPAL, HYDERABAD – 500 039,

संदेश

भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान की वर्षिक हिन्दी पत्रिका के प्रकाशन पर मै आप सभी को बधाई देता हूँ और इस अवसर पर मैं सभी से अनुरोध करना चाहूँगा कि हिन्दी भाषा का कार्यालयीन काम काज में तथा दैनिक व्यवहार में व्यापक रूप से प्रयोग करें तथा इसके प्रचार प्रसार में अपना सहयोग प्रदान करें ताकि हिन्दी भाषा प्रत्येक क्षेत्र में पल्लवित होती रहे ओर राजभाषा का आदर करना हम सबका परम धर्म है।

शुभकामनाओं के साथ

(महेश आर)

उप महासर्वेक्षक

आई आई एस एम

भारत के विकास में भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान(भारतीय सर्वेक्षण विभाग) की महत्वपूणर्ण भूमिका

के.वी.रमणमूर्ती

अधीक्षक सर्वेक्षक

भारत की स्वतंत्रता के बाद एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान के आविर्भाव की आवश्यकता पडी और सन् 1967 में यूनाईटेड नेशन डेवलेपमेंट प्रोग्राम की सहायता से भारतीय सर्वेक्षण संस्थान की स्थापना की गई। यह हैदराबाद में स्थित है। दस वर्ष पूर्व इसका नाम बदलकर, भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान कर दिया गया है।

पिछले बावन वर्षो में इस महा संस्थान ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभी प्रशिक्षणार्थियों के साथ साथ अन्य विभागों एवं निजी संस्थानों के प्रशिक्षणार्थियों को सफल प्रशिक्षण दिया है जिस में अफ्रो एशियन प्रशिक्षणार्थि शामिल हैँ।

वर्तमान में इस प्रशिक्षण संस्थान में चार संकाय(फैकल्टी) हैं।

1.फैकल्टी आँफ जियोडेसी(भू विज्ञान)

2. फैकल्टी आँफ फोटोग्रमेट्री एवं रिमोट सेन्सिंग(फोटग्रामेती एवं सुदूर संवेदन)

3. फैकल्टी आँफ कार्टोग्रफी एवं जीआई एस(मानचित्रण एवं भौगोलिक सूचना पद्दति)

4. फैकल्टी आँफ टीएस एंड एल आई एस(स्थालाकृतिक सर्वेक्षण एवं भू सूचना पद्दति)

इन संकायों मे लगभग सौ तकनीकी एवं प्रशिक्षण अधिकारी तथा साठ प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी हैं। यह कैम्पस 67 एकड़ जमीन पर हरेभरे वृक्षों से भरा है। इस में तीन हास्टल एवं मैस की सुविधा उपलब्ध है।

इस संस्थान में अनेक प्रकार के सर्वेक्षण कोर्स उपलब्ध है जिनकी अवधि एक दिन से लेकर दो वर्ष तक है। हमें गर्व है कि अभी तक तीस हजार प्रशिक्षणार्थियों (देश विदेश के)को प्रशिक्षण दिया जा चुका है,जिनमें छ सौ अफ्रो एशियन प्रशिक्षाणर्थी शामिल हैं।

यहाँ पर आधुनिक सर्वेक्षण पद्धतियों जैसे जीपीएस,टोटल स्टेशन, मोबाइल मैपिंग आदि द्वारा प्राक्टिकल एवं फील्ड प्रशिक्षण दिया जाता है।

इस महान सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थि एवं अधिकारी गण चाहे विभागीय हो या अन्य विभाग के हो अपने

कार्यक्षेत्र में अपना कार्य सही ढंग से कर पा रहे है। आनेवाले दिनों में नदियों के अनुसंधान एवं देश की नदियों के तटीय इलाको का डिजिटल एलिवेशन मोडल बनाने का महान कार्य हमारे विभाग को नेशनल हाइड्रोलाजी प्रोजेक्ट के नाम से सौंपा गया। इस के पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान को सौंपी गई है और मुझे विश्वास है कि इस महान कार्य को हम सफलता पूर्वक पूर्ण कर लेंगे।

विभिन्न पैमानों पर सर्वेक्षण एवं मानचित्रण के साथ साथ कई प्रोजेक्ट जैसे रेल-रोड कारिडार,विद्युत जल प्रोजेक्ट,ज्वारीय डेटा संग्रह आदि कार्यो मे भारतीय सर्वेक्षण विभाग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल है। इस पर हमें गर्व है।

आजकल गूगल नक्शों के कारण विभागीय नक्शों का उपयोग करने वालों की संख्या में गिरावट आई हैं।इस दिशा में चर्चा कर हमारे विभाग में एक साफ्टवेयर अप्लिकेषन,जिसका नाम है सहयोग(एप) का आविर्भाव किया है।आशा है हम लोग इसका उपयोग अधिक से अधिक करके अपनी पहचान बनाये रखेंगे और देश की उन्नती एवं प्रगति में सहयोग देंगें।

भ्रष्टाचार से देश की मुक्ति

धमर्मवीर कुमार,

अधिकारी सर्वेक्षक

हमारे देश पिछले कुछ दशको में प्रत्येक क्षेत्र में तीव्र गति से प्रगति किया है-चाहे वो सूचना तकनीकी हो,शिक्षा हो,औद्योगिक विकास हो,या कृषि उत्पादन और अन्य क्षेत्रों मे की गई तरक्की हो।

परन्तु भौतिक सुख की अत्यधिक चाहत ने और नैतिकता के पतन के कारण समाज में भ्रष्टाचार के क्षेत्र में भी बहुत हो रखी है। भ्रष्टाचार की इस चरमसीम दूसरे क्षेत्रों में किये गये विकास को जनता तक पहुँचने में बाधा पहँच रही है।अतः इस रोकने की सख्त जरूरत है।

इस भ्रष्टाचारी रूपी असुर से देश की मुक्ति के अनेक उपाय हैं,जिन्हें अपनाकर देश को प्रगति के पटरी पर सरपट दौड़ाने की सफल कोशिश की जानी चाहिये। मेरे विचार से वे महत्वपूणर्ण उपाय हैं।

देश के जन प्रतिनिधियों के चुनाव प्रक्रिया में सुधारः

क्योंकि दोषपूणर्ण चनाव प्रक्रिय के कारण भ्रष्टाचार व्यक्ति भी जन प्रतिनिधि के रूप में चुने जाते है -चाहे उन्हें 20%-25% कुल

डाले वोट का क्यों न मिला हो। और उसके उपरान्त देश को लूटने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। पांच वर्षो तक यह जारी रहती।

प्रत्येक व्यक्ति विशेषकर देश के युवा एवं बच्चों के मनमस्तिष्क में नैतिक मूल्यों के महत्व एवं उन्हें अपनाने की जरूरत को बिठाने की आवश्यक है, क्योंकि नैतिक पतन ने भ्रष्टाचार को बहुत बढ़ावा दिया है।

ई गवर्नेन्स को तत्परता से लागू करना-क्योंकि इसमं जनता एवं प्रशासन के बीच व गैरजरूरी चैनल खत्म हो जाती है,जिस से भ्रष्टाचार होने की संभावनायें होती है।साथ ही जनता की भागीरदारी से ई गवर्नेन्स की कमियाँ समय समय पर दूर की जानी चाहिये।

भ्रष्टाचार के विरूद्ध सख्त कानून बनाये और उसमें सभी लोगों को शामिल करना ताकि पकडे गये भ्रष्ट मंत्रियों,नेताओं,अधिकारियों कमर्मचारियों,के विरूद्ध समय सीमा के अंदर सजा निर्धारित हो सके। जैसे जनलोकपाल की मांग देश में बहुत दिनों से हो रही है।

एक निश्चित समय सीमा के अंदर सरकारी सेवाओ को देने मं संबंधित कानून बनाना एवं उसे सख्ती से लागू करना ताकि आम

जनता को सेवा देने के नाम पर आर्थिक शोषण बंद हो सके और अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी सेवाओं में भ्रष्टाचार दूर हो सके।

पारदर्शी एवं जवाबदारी प्रक्रिया प्रणाली को लागू करना ताकि प्रशासनिक स्तर पर विकास के नाम पर क्या हो रहा है-जनता को पता चल सके और सूचना अधिकार इस दिशा में एक अच्छी पहल है।

इस तरह सामाजिक स्तर पर ईमानदार कोशिशों से देश को भ्रष्टाचार से मुक्ति मिल सकती है और देश सही मायने में विकास कर पायेगा।

मुसीबत सब पर आती है,
कोई बिखर जाता है
और कोई निखर आता है ।

विचलित मन

राजकुमार गुप्त,

सर्वेक्षक

विचलित होता है मन,इतनी चादर नहीं अपनी

कोमल सी हथेलियों पर ऊँचे ख्वास सँ जाता मन।

छोटी सी मुख से ऊँची उडान देता मन

हर अभिलाषाओ की ललक में द्रवित हो उठता मन

हे मन, विचलित न हो ज्यादा की चाह में

चारों तरफ खुले आसमाँ है,धरती अपनी

जीवित कर अपने कुंठित मन के छू ले आसमां

चारों तरफ तेरी अच्छे चरित्र की खुशबू है वो पुष्प मिले

कोई तपती रेत पर नंगे पैर चल कर भी खुश था

तो कोई वातानुकूलित कमरें में भी विचलित था

कोई समृद्दि में भी तंग है,तो कोई तंगी में भी समृद्धि

मन में नकामी का बोझ लिये ये मन यूँ विचलित न हो।।।

विषाद हो या हर्ष,क्रोध हो या शोक

विचलित विचार हो या व्याप्त संसार

दिमाग और मन को शांत कर प्रभु का गान कर

जिनकी सुंदरतर रचनाओं में से हम है एक

निर्झर के निर्मल जल में ये मन हिला हिला धोना

लहर लहर कर यदि चूमें तो किंचित विचलित मत होना

खामोशी से भी नेक काम होते है
मैंने देखाहै पेड़ों को, छाँव देते हुए ।

स्वच्छता और पर्यावरण

बिपिन चन्द पान्डेय,
सर्वेक्षक,
फैकल्टी आफ टी. एस. एण्ड एल. आए. एस. ।
भा. मान. एवं प्र.संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग ।

स्वच्छ गगन हो, स्वच्छ वतन हो ।
स्वच्छ हमारा जीवन हो ।
स्वच्छ सुबह हो , स्वच्छ दुपहरी ।
स्वच्छ शाम का आंचल हो ।

स्वच्छ, सलोना वन उपवन हो,
स्वच्छ स्वांस व धडकन हो ।
स्वच्छ विचारों का संगम हो ,
सजग–स्वच्छ हर प्राणी हो ।

प्लास्टिक का उपयोग बन्द हो,
और कचरे का अपशिष्ट प्रबन्धन ।
स्वस्थ्य राष्ट्र का सपना ले हम,
बीमारी को दूर भगायें ।

गांव स्वच्छ हो , शहर स्वच्छ हो ,
गली , मुहल्ला , आंगन हो ।
स्वच्छ किनारा नदियों का और ,
नदियों में निर्मल जल हो ।

शौचालय उपयोग करेंगे ,
चाहे घर या बाहर हो ।
सब मिल कर सहयोग करें,
जड़–चेतन में हरियाली हो ।

संसाधन को सीमित करके ,
धरती को मिल स्वर्ग बनायें ।
चलो चले हम वृक्ष लगायें ,
पर्यावरण को स्वच्छ बनायें ।

जन – जन की भागीदारी से,
स्वच्छ सबल तन करना है ।
राष्ट्र प्रेम के प्रबल ज्योति में,
यह संकल्प हमें सच करना है ।

वर्ष 2018-19 में टी. एस. एण्ड. एल. आई. संकाय में प्रशिक्षण की गतिविधियां

- टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय का उददेश्य भूमि सर्वेक्षण एवं भूमि प्रबंधन के क्षेत्र में केंद्र सरकार, राज्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों एवं अन्य सरकारी और गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों को सर्वेक्षण से सम्बन्धित आधारभूत प्रशिक्षण प्रदान कर राश्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान करना है । यह संकाय तकनीतिज्ञों , पर्यवेक्षकों और पात्र निजी उम्मीदवारों के लिये एक सप्ताह से लेकर दो वर्ष तक के विभिन्न पाठयक्रमों का संचालन करता है ।

- **टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय में वर्ष 2018-19 में निम्न पाठयक्रम के प्रशिक्षण दिये गये हैं -**
  - **संकाय में बुनियादी पाठयक्रम से सम्बन्धित प्रशिक्षण -**

पाठयक्रम संख्या	प्रशिक्षण की अवधि
सर्वेक्षण तकनीतिज्ञ बैच न. - 85	अप्रेल 2017 से मार्च 2019
अधिकारी सर्वेक्षक रिफ्रेशर कोर्स बैच न. - 23	जून 2018 से अगस्त 2018
सर्वेक्षण तकनीतिज्ञ बैच न. - 86	जुलाई 2017 से मई 2019
सर्वेक्षण इंजीनियर बैच न. - 77	फरवरी 2018 से जनवरी 2020
सर्वेक्षण इंजीनियर बैच न. - 78	जून 2018 से जून 2020
सर्वेक्षण तकनीतिज्ञ बैच न. - 87	जनवरी 2019 से नवम्बर 2020
सर्वेक्षण तकनीतिज्ञ बैच न. - 88	अप्रेल 2019 से फरवरी 2021
अधिकारी सर्वेक्षक रिफ्रेशर कोर्स बैच न. - 24	जून 2019 से अगस्त 2019

- इसके अतिरिक्त इस संकाय के द्वारा भारत सरकार / राज्यों के कई सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के संकायों को उनके तय समयावधि में तल मापन, टोटल स्टेशन, जी. पी. एस., मोबाइल मैपिंग व नवीन उन्नत द्रोन तकनीकि का सफलता पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया ।
  - टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय के द्वारा जून 2018 से अगस्त 2018 के दौरान उत्तराखंड राज्य के राजस्व विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया ।
  - उत्कल विश्वविघालय के भूगोल संकाय के आधा दिन के कार्यक्रम में टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय के द्वारा जी. पी.एस. और टोटल स्टेशन का अल्पकालिक प्रशिक्षण दिया गया ।

- **क्षेत्रिय प्रशिक्षण के कुछ चित्र –**

  - भोनगिर सर्वेक्षण निविर में प्रशिक्षण सं. 500.77, 78 का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया ।

कर्नल बी. सरीन चन्दर, उप महासर्वेक्षक, भा. स. एवं मा. सं. के द्वारा निरीक्षण करते हुए ।

- **टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय के द्वारा प्रशिक्षण के कुछ अन्य चित्र –**

लेवलिंग का प्रशिक्षण देते हुए

कर्नल बी. सरीन चन्दर, उप महासर्वेक्षक, द्वारा निरीक्षण

टोटल स्टेशन का अल्पकालिक प्रशिक्षण देते हुए ।

जी. पी. एस. का अल्पकालिक प्रशिक्षण देते हुए ।

टोटल स्टेशन का अल्पकालिक प्रशिक्षण देते हुए ।

नागालैंड प्रशिक्षणार्थियों को मोबाइल मैपिंग का प्रशिक्षण देते हुए ।

- टी. एस. एण्ड एल. आई.एस. संकाय के द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अध्याय - एक, दो, पांच और आठ में संशोधन किया गया ।
- इनके अतिरिक्त भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद द्वारा मई 2019 मे स्वक्छता पखवाडा के अन्तर्गत वक्षारोपण कार्यक्रम में टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ चढ कर भाग लिया ।
- संकाय द्वारा वार्शिक आयोजित की जाने वाली खेल कूद और हिन्दी की प्रतियोगिताओं में उत्साह व सफलता पूर्वक भाग लिया जाता है ।

- यह संकाय विभिन्न वर्ग के प्रि-क्षणार्थियों को पूर्व में एवं वर्तमान में सर्वेक्षण हेतु प्रयोग में आने अलग अलग प्रकार के सर्वेक्षण तकनीकि को समन्वित रूप से समाहित करके व्याख्यान और सर्वेक्षण उपकरणों के प्रयोगो के माध्यम से हर सम्भव प्रकार से समझाने का प्रयत्न करता है । संकाय के द्वारा - के. वि. सं. 1 को भूमि स्थानान्तरण में, जी. एच. एम. सी. से सहयोग के कार्य और अन्य इस्टेट के प्र-ाासनिक सहयोग के कार्यों मे इस सत्र में पूर्ण योगदान रहा है । संकाय के द्वारा प्रशिक्षण की गुणवत्ता निरन्तर बेहतर हो , इसके लिये संकाय के प्रशिक्षकों का आपसी समन्वय एवं निरन्तर प्रशासनिक सहयोग एक पहचान है ।

कर्नल बी. सरीन चन्दर,
उप महासर्वेक्षक,
टी. एस. एण्ड एल. आई. एस. संकाय, भा. स. एवं मा. सं.।

कार्टो जीआईएस डीएम संकाय द्वारा वर्ष 2018-19 में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम सं0	कोर्स सं0/ नाम	प्रशिक्षण अवधि	प्रशिक्षु संख्या
01	**कोर्स सं0 740.11**	19-09-2017 से 14-09-2018तक	3
02	**अमृत बैच1टाइर II प्रशिक्षण कार्यक्रम**	16-04-2018 से 27-04-2018तक	4
03	**अमृत बैच 1 टाइर I प्रशिक्षण कार्यक्रम**	24-04-2018 से 26-04-2018तक	23
04	**अमृत बैच 2 टाइर II प्रशिक्षण कार्यक्रम**	01-05-2018 से 12-05-2018तक	11
05	**बापट्ला इंजनीयरिंग कालेज**	02-05-2018 से 29-08-2018तक	19
06	**कोर्स सं0 700.26 जियोड़सी**	08-05-2018 से 11-05-2018तक 04-06-2018 से 06-07-2018तक	2
07	**अमृत बैच 2 टाइर I प्रशिक्षण कार्यक्रम**	28-05-2018 से 30-05-2018तक	25
08	**अमृत बैच III टाइर II प्रशिक्षण कार्यक्रम**	11-06-2018 से 22-06-2018तक	28

09	कोर्स सं0 500.77&78	25-06-2018 से 28-09-2018तक	06
10	अमृत बैच 1 टाइर ।।। प्रशिक्षण कार्यक्रम	02-07-2018 से 27-07-2018तक	17
11	सीएमपीडीआई अधिकारियों केलिये प्रशिक्षण कार्यक्रम	25-06-2018 से 27-07-2018तक	10
12	कोर्स सं0 465.07	18-07-2018 से 14-08-2018तक	10
13	कोर्स सं0 340.52 (एनपीजी, देहरादून पर)	23-07-2018 से 07-09-2018तक	28
14	कोर्स सं0 800.14	09-08-2018 से 09-08-2018तक	05
15	कोर्स सं0 495.23	17-08-2018 से 17-09-2018तक	06
16	कोर्स सं0 795.10	29-08-2018 से 29-08-2018तक	02
17	कोर्स सं0 340.53	05-09-2018 से 23-10-2018तक	03
18	कोर्स सं0 340.53.ए (एनपीजी, देहरादून पर)	17-09-2018 से 02-11-2018तक	29
19	अमृत बैच ॥ टाइर ।।। प्रशिक्षण कार्यक्रम	03-09-2018 से 28-09-2018तक	18

20	**कोर्स सं**0 440.27	03-10-2018 से 18-12-2018तक	01
21	सीडबल्युसी अधिकारियों के लिये जियोड़सी पर विशेष प्रशिक्षण	15-11-2018 से 16-11-2018तक	22
22	आर्क जीआईएस &एसडीएमएस का प्रयोग करते हुये एनटीडीबी केलिये विशेष प्रशिक्षण	22-10-2018 से 27-10-2018तक	27
23	आर्क जीआईएस &एसडीएमएस का प्रयोग करते हुये एनटीडीबी केलिये विशेष प्रशिक्षण	29-10-2018 से 03-11-2018तक	48
24	आर्क जीआईएस &एसडीएमएस का प्रयोग करते हुये एनटीडीबी केलिये विशेष प्रशिक्षण	26-11-2018 से 01-12-2018तक	5
25	**कोर्स सं**0 340.54	03-01-2019 से 20-02-2019तक	4

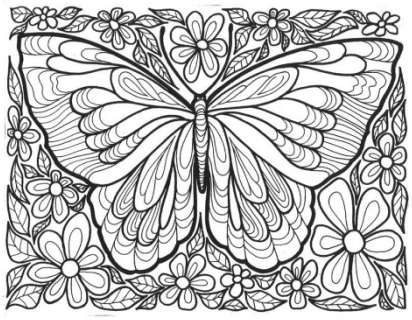

पी & आर एस संकाय द्वारा वर्ष 2018-19 में संचालित

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1.विभिन्न स्तरों पर(टाइर I, टाइर II, टाइर III) अलग अलग बैचों में अमृत प्रशिक्षुओं (टीसीपीओ) का प्रशिक्षण कार्यक्रम

2.कोर्स संख्या 150.86 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

3.कोर्स संख्या 480.46 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

4. विशेष कोर्स संख्या 795.10 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

5. कोर्स संख्या 480.47 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

6. कोर्स संख्या 785.06 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

7.सी.डब्लयु सी के लिये विशेष कोर्स

8. कोर्स संख्या 485.06 का प्रशिक्षण कार्यक्रम

9. कोर्स संख्या 500.77& 500.78का प्रशिक्षण कार्यक्रम

10. नाट्मो के लिये विशेष कोर्स

11.सर्वे आँफ बंगलादेश के अधिकारियों केलिये इंडो-बंगलादेश की विशेष कोर्स

12.**सीएमपीडीआई के लिये विशेष कोर्स**

13.**बापट्ला इंजनीयरिंग कालेज विद्यार्थियों केलये विशेष कोर्स**

संदर्शनः-

निम्न कालेजों ने <u>पी & आर एस</u> संकाय का सदर्शन किया।

1.साईंटपि.एक्सा डिग्री&पीजी कालेज

2.वि.एन.आर.विज्ञान ज्योती इंजनीयरिंग कालेज

3.नेशनल इन्स्टीट्यूट आँफ हाइड्रालजी के दो अधिकारी

4.सिंबइसिस जियो इन्फरमेटिक्स संस्थान,

5.अरोरा तकनालजीकल अनुसंधान संस्थान की इंजनीयरिंग विभाग

6 वल्लिम्माइ इंजनीयरिंग कालेज,

7 वीरम्माल इंजनीयरिंग कालेज,

8. वीरम्माल इंजनीयरिंग कालेज,

9. अभ्यासा इंटरनेशनल स्कूल आफ तूप्रान

10.जियोग्रफी अनुभाग, उस्मानियाँ विश्वविद्यालय

11 वि.एन.आर.विज्ञान ज्योती इंजनीयरिंग कालेज

12. गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु

13.एन आई टी के सिविल इंजनीयरिंग विभाग

14. विज्ञान इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालजी

15 साईंट पीटर इजनीयरिंग कालेज

16. विज्ञान इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालजी

जिंदगी एक "अभिलाषा " है ।

क्या गजबइसकी "परिभाषा" है ।

जिंदगी क्या है मत पूछो !

संवरगई तो "तकदीर"

औरबिखरगई तो "तमाशा" है ।

प्रशासन संबंधी विषय

स्थानांतरण

1.श्री. एस .के सिन्हा, उपमहासर्वेक्षक(आई बी डी(एजीओ)नईदिल्ली से)

2.श्री. रविन्द्र कुमार, उपमहासर्वेक्षक(पश्चिमी क्षेत्र, जैपूर,राजस्थान को)

3.श्री.के.वी.रमणमूर्ति,अधीक्षक सर्वेक्षक(जीआईएस एंड आर एस से)

4.श्री.रबिन्द्रकुमार दाश, अधीक्षक सर्वेक्षक(कर्नाटक जीडीसी बैंगलौर से)

5.श्री.आर बी धनविजय,सहायक(महाराष्ट्र एवं गोवा जीडीसी को)

6.श्री.जी कामेश्वर राव, सर्वेक्षक(महाराष्ट्र एवं गोवा जीडीसी को)

7.श्री.चिन्न रामय्या,उ.श्रे.लि.(एपी जीडीसी,को)

8.श्रीमती.रज़िया बैगम,उ.श्रे.लि .(एपी जीडीसी,से)

9.श्री.केशवुलू, एमटीएस(कर्नाटक जीडीसी बैंगलौर से)

10.श्रीमती सीएच.संतोषिणी,एमटीएस(पश्चिम बंगाल &सिक्किम् जीडीसी से)

सेवा निवृत्ति

1.श्री.एन एम.दंडसेना,अधिकारी सर्वेक्षक

2.श्री पी.सी रंगय्या,दफ्तरी,

3.श्री.सीएच.पिच्चय्या,दफ्तरी

4.श्री.जी योहान,उ.श्रे.लि.

5.श्री.सी एच.मरियाकुमार,दफ्तरी

6श्री पी.देवदानम्, एमटीएस

निधन

1.श्री एम.संगीत कुमार,एमटीएस

2.श्री.बी शिखामणि,जमादार

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान
वार्षिक रिपोर्ट 2018–19
(**दिनांक :–** 01–04–2018 **से** 31–03–2019 **तक**)

1. - शून्य
2. - शून्य
3. - शून्य
4. - शून्य
5. - शून्य
6. - शून्य

7.प्रशिक्षण

विभिन्न स्तरों के विभागीय अधिकारियों एवं बाहरी व्यक्तियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण विवरण परिशिष्ट 'अ', 'ब' एवं'स'मेंदिए गए हैं ।

रिपोर्ट के दौरान 34 मूल/अनुसूचित पाठ्यक्रम आयोजित किए गए । परिशिष्ट 'अ' के अंतर्गत दिए गए विवरणों के अनुसार 298 प्रशिक्षणार्थियोंने ऐसे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

रिपोर्ट के दौरान इस साल 24 विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। परिशिष्ट 'ब' के अंतर्गत दिए गए विवरण के अनुसार विभाग द्वारा नामांकित 80अधिकारी एवं विभिन्न वैज्ञानिक/ व्यावसायिक संगठनों द्वारा नामांकित 285 अधिकारी तथा 20 इंजीनियरिंग विद्यार्थियोंने भाग लिया ।

रिपोर्ट के दौरान इस साल 2 लघु अवधि पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। परिशिष्ट 'सी' के अंतर्गत दिए गए विवरण केअनुसार विभाग द्वारा नामांकित 2 अधिकारी एवं विभिन्न वैज्ञानिक/ व्यावसायिक संगठनों द्वारा नामांकित 11 अधिकारियों ने इसमें भाग लिया ।

विदेशीस्कॉलरों को प्रशिक्षण :

रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान विशेष पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिये रॉयल गवर्नमेंट आफ भूटान सरकार द्वारा 03 और बंगलादेश सरकार द्वारा 07 विदेशियों को प्रायोजित किये थे ।

शैक्षिक पाठ्य**क्रम**

इस वर्ष किसी भी शैक्षिक पाठ्यक्रम का आयोजन नहीं किया गया।

8. **कार्यालयीन कार्य में हिन्दी का प्रयोग** :-

राजभाषा अधिनिमय 3 (3) के अनुसार द्विभाषी में भेजे जाने वाले कागजात यथानुसार भेजे गए । नियम 5 के अनुसार हिन्दी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिन्दी में ही दिए गए ।

क	क्षेत्र को हिन्दीमें भेजे गएपत्रों की प्रतिशतता	38%
ख	क्षेत्र को हिन्दीमे ंभेजे गए पत्रों की प्रतिशतता	35%
ग	क्षेत्र को हिन्दीम ेंभेजे गए पत्रों कीप्रतिशतता	24%

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हैदराबाद में स्थित सभी निदेशालयों के सम्मिलित प्रयास से भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान ने हिन्दी दिवस एवं हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया । सभी निदेशालयों से कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसमे ंभाग लिया । मानक आवेदन तथा पाठ्यक्रम द्विभाषी में तैयार किया जा रहा है।

9.राष्ट्रीय/ अंतर राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशाला/ संगोष्ठी में भागीदारी :-

श्री यु.एन.गुर्जर, अपर महासर्वेक्षक, और डॉ.यु.एन.मिश्रा, उपमहासर्वेक्षक ने दिनांक 10-04-2018 और 11-04-2018 तक भारतीय सर्वेक्षण विभाग कार्यालय,देहरादून में आयोजित वरिष्ट अधिकारियों के सम्मेलन में भाग लिया।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग कार्यालय,देहरादून में दिनांक 10-04-2018 को राष्ट्रीय सर्वेक्षण समारोह का आयोजन किया गया औरआई आई एस एम से 8 अधिकरी/ कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।

जे.एन.टी.यु., हैदराबाद मे ंदिनांक 10-04-2018 को राष्ट्रीय सर्वेक्षण समारोह का आयोजन किया गया और आई आई एस एम से 5 अधिकरी/ कर्मचारियों ने इसमें भाग लिया।

दिनांक 08-04-2018 को हैदराबाद में असोचम द्वारा ÙðÙð भूस्थानिक तकनालजी पर सम्मेलन का आयोजन किया गया और आई आई एस एम से 9अधिकरी/कर्मचारियों ने इस में भाग लिया ।

श्री महेश आर, उप निदेशकनेदिनांक 23-10-2018 से दिनांक 25-10-2018 तक देहरादून में आयोजित एनएचपी कार्यशालामें भाग लिया।

श्री महेश आर, उप निदेशकने दिनांक 20-11-2018 से दिनांक 23-11-2018 तक देहरादून में आयोजित आई एस पी आर एस कार्यशाला में भाग लिया।

कर्नल बी शरीन चन्दर, उप महासर्वेक्षक एवं श्री महेश आर, उप निदेशक, आईआईएसएम ने दिनांक 22-01-2019 से 23-01-2019 तक एनआरएससी द्वारा हैदराबाद में आयोजित *एन आर एस सी यूज़र मीट 2019* में भाग लिया ।

श्री महेश आर, उप निदेशक ने दिनांक 14-02-2019 से दिनांक 16-02-2019 तक कोच्चि में आयोजित कोच्चि ओपेन समूह सम्मेल में भाग लिया।

श्री आर .श्रीहरी,सर्वेक्षक ने दिनांक 04-02-2019 से 15-04-2019 तक भारतीय लोक प्राशासन संस्थान द्वारा (आईआईपीए) नईदिल्ली में आयोजित तकनीकी व्याक्तियो के लिये 13वाँ कैपासिटी बिल्डिंग पोग्राम में भाग लिया।

सचिव,डीएसटीकी अध्याक्षाता में दिनांक 28-03-2019 में तकनालजी भवन , नईदिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें,श्री.एस.केसिन्हा, उप महासर्वेक्षक एवं श्रीरविन्द्रकुमार, उप महासर्वेक्षक श्री महेशआर, उप महासर्वेक्षक ने भाग लिया ।

10.विदेशों को भेजे गए प्रतिनिधि मंडल

- शून्य–

11. विदेशों में अध्ययन

- शून्य–

12. संदर्शन

साईंटपि.एक्सा डिग्री&पीजी कालेज के 30छात्र एव 2 संकाय सदस्य दिनांक 27.04.2018 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ हाईड्रोग्राफी, गोवा से 2 अधिकारियों ने दिनांक 27-07-2018 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

सिंबइसिस जियो इन्फरमेटिक्स संस्थान,पूणे के 50 छात्र एव 2 संकाय सदस्य दिनांक 30.07.2018 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

लिटिल फ्लावर डिग्री कालेज के 200 छात्र एव ं3 संकाय सदस्य दिनांक 16.08.2018, 23.08.2018, 24.08.2018 और27.08.2018 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

वीरम्माल इंजनीयरिंग कालेज,तमिलनाडु के 30 छात्र एव4संकाय सदस्य दिनांक 20.09.2018 को आई. आई .एस.एम का संदर्शन किया

वल्लिम्माइ इंजनीयरिंग कालेज,तमिलनाडुके 15 संकाय सदस्योंने दिनांक 12.11.2018 को आई.आई.एस. एम का संदर्शन किया

उत्कल विश्वविद्यालय से के12 शोध छात्र एवं2 संकाय सदस्यों ने दिनांक 27.12.2018 को आई.आई. एस.एम का संदर्शन किया

वि.एन.आर.विज्ञान ज्योती इंजनीयरिंग कालेज के 87 बी टेक छात्र एव ं2 संकाय सदस्योंने दिनांक 30.01.2019 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

नेशनलइन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी वरंगल के 30 विध्यार्थियोंने 02 फैकल्टी सदस्यों के साथ दिनांक 07-02-2019को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया ।

साईंट पीटर इजनीयरिंग कालेज मैड्चल से 62 छात्र एवं 2 फैकल्टी सदस्य के साथ दिनांक 13.02. 2019 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु 32 छात्र एवं 2 फैकल्टी सदस्य के साथ दिनांक 14.02.2019 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

विज्ञान इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालजी,भुवनगिरी से 58 छात्र एवं 2 फैकल्टी सदस्य के साथ दिनांक 15.02.2019 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

विज्ञानभारती इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नालजी,घटकेसर मंडल, मेड्चलजिला से 198 छात्र एवं 8 फैकल्टी सदस्य के साथ दिनांक 13.03.2019&14.03.2019 को आई.आई.एस.एम का संदर्शन किया

13. **कार्यशालएँ**:

- शून्य -

14. **राष्ट्रीय विज्ञानदिवस** :

पूरे देश में मनाये गए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोहों की भागीदारी में विज्ञान जनता के लिये और जनता विज्ञान केलिये थीम पर दिनांक 28.02.2019 को भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान ने भी हैदरा बाद में स्थित अन्य निदेशालयों की सहायता से सर्वे ऑफइण्डिया ओपन डे के रूप मेंमनाया । छात्रों एवं तकनीकी विद् के लिए सर्वेक्षण एवं मानचित्रण पर विभिन्न नवीन उपस्करों को प्रदर्शित एव ंनिरूपित किया गया । विभिन्न पाठशालाओं/कालेजो ंसे1700 से अधिक छात्रों ने प्रदर्शिनी का संदर्शन किया।

परिशिष्ट 'अ'

नियमित/पाठयक्रम/कोर्स

क्रं. सं	कोर्ससं	पाठ्यक्रमनाम	विभागीय	अतिरिक्ता विभागीय	विदेशी	अन्य	कुल
01.	100.19	प्रशासनिक प्रबंधन	17	--	--	--	17
02.	112.03	भंडार प्रबंधन	09	--	--	--	09
03.	113.03	अभिलेख प्रबंधन	07	---	--	--	07
04.	125.06	कार्यालय प्रक्रिया-एक वीक्षण	11	--	--	--	11
05	150.85#	सर्वेक्षण तकनीशियन	43	-	--	--	43
06	150.86#	सर्वेक्षण तकनीशियन	09	--	--	--	09
07	150.87#	सर्वेक्षण तकनीशियन	23	--	--	--	23
08.	170..05#	नये लोगों केलिए टोटल स्टेशन एवं जी.पि.एस. का प्रयोग	04	--	03	--	07
09	170..06#	नये लोगों केलिए टोटल स्टेशन एवं जी.पि.एस. का प्रयोग	--	--	--	06	06
10	315.16	कैडेस्ट्रियल सर्वेक्षण एवं भूमि सूचनातंत्र	04	--	--	--	04
11	340.52	कार्तोग्राफिक दस्तावेज़ो का अंकीयकरण	30	--	--	--	30
12	340.53	कार्तोग्राफिक दस्तावेज़ो का अंकीयकरण	03	--	--	--	03
13	340.53ए	कार्तोग्राफिक दस्तावेज़ो का अंकीयकरण	45	--	--	--	45
14	340.54	कार्तोग्राफिक दस्तावेज़ो का अंकीयकरण	--	04	--	--	04
15	400.94ए#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	03	--	--	--	03
16	400.94सी#	सर्वेक्षण पर्यवेक्षक	04	--	--	--	04
17	400.95#	सर्वेक्षण इंजिनियर	04	--	--	--	04

18	440.26#	डिजिटल कार्टोग्राफी एवं जी.आई.एस अप्लिकेशन्स	--	12	--	--	12
19	440.27	डिजिटल कार्टोग्राफी एवं जी.आई.एस अप्लिकेशन्स	--	01	--	--	01
20	465.07	जी.आई.एस अप्लिकेशन्स	10	--	--	--	10
21	480.46	डिजिटल फोटोग्रामेट्री एवं सुदूर संवेदन	02	--	--	--	02
22	480.47	डिजिटल फोटोग्रामेट्री एवं सुदूर संवेदन	--	06	--	--	06
23	485.05	डिजिटल फोटोग्रामेट्री एवं सुदूर संवेदन	--	05	--	--	05
24	495.23	अधिकारी सर्वेक्षको के लिये पुनश्चर्यण कोर्स	06	--	--	--	06
25	500.75(बी)	सर्वेक्षण अभियंता	06	--	--	--	06
26	500.76	सर्वेक्षण अभियंता	01	--	--	--	01*
27	500.77	सर्वेक्षण अभियंता	04	--	--	--	04
28	500.78	सर्वेक्षण अभियंता	02	--	--	--	02
29	690.37	जी.पी.एस. और टोटल स्टेशन द्वारा कंट्रोल एवं विस्तृत सर्वेक्षण	--	--	--	04	04
30	690.38	जी.पी.एस. और टोटल स्टेशन द्वारा कंट्रोल एवं विस्तृत सर्वेक्षण	---	02	--	--	02
31	700.26#	एडवान्स्ड जियोडेसी	02				02
32	740.11#	डिजिटल कार्टोग्राफी पर एडवान्स्ड कोर्स एवं सदूर संवेदन	03				03
33	790.12	जीपीएस&टोटलस्टेशन उद्देश्य एवं अनुप्रयोग	02				02
34	795.10	अंकीय फोटोग्रमेट्री एवं नीति कर्ताओं के लिये सुदूर संवेदन	02				02
		कुल	256	30	03	10	298

परिशिष्ट

विशिष्ट उपभोक्ताओं के लिए पाठ्यक्रम/कोर्स

क्रं. सं	कोर्ससं	नामपद्धति	विभागीय	अतिरिक्त विभागीय	विदेशी	अन्य	कुल
1.	विशेष कोर्स	पुदुचेरी भू एवं अभिलेख विभाग केनिदेशालय से अधिकारियों के लिए आधुनिक सर्वेक्षण उपकरण एवं तकनीक	--	15	--	--	15
2.	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीआई एस पर आधारित मास्टर योजना टाइर II की सृत्रन	--	04	--	--	04
03.	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीआईएस पर आधारित मास्टर योजना टाइर I कीसृत्रन (बैच 1)	--	23	--	--	23
04.	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीपीआइ एस पर आधारित मास्टर योजना टाइर I कीसृत्रन (बैच 2)	--	19	--	--	19
05.	विशेष कोर्स	बापट्लाइजनीयरिंग कालेज विद्यार्थियों के लिये आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकियोंपर प्रशिक्षण	--	11	--	--	11
06.	विशेष कोर्स	क्षमतानिर्माण-एन एच पीजीपीएस &टी एस का प्रयोग करते हुये नियंत्रण एवं विस्तृत सर्वेक्षण	--	03	--	--	03
07	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीपीआई एस पर आधारित मास्टर योजना टाइर I की सृत्रन (बैच 2)	--	25	--	--	25
08	विशेष कोर्स	एवियेषन अनुसंधान केंद्र के लिये जियोडसी	--	05	---	--	05
09	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीपीआई एस पर आधारित मास्टर योजना टाइर I I कीसृत्रन (बैच 3)	--	28	--	--	28
10	विशेष कोर्स	सी एमपीडी आइकर्मियों के लिये कोयला खानों के जीआइएस मैपिंग	--	10	--	--	10
11	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीपीआई एस पर आधारित मास्टर योजना	--	17	--	--	17

		टाइर III कीसृत्रन (बैच 1)					
12	विशेष कोर्स	एन एच पी कर्मियों के लिये भूस्थानिक डेटाबेस प्रशासन	--	04	--	--	04
13	विशेष कोर्स	सर्वे प्रशिक्षण अकादमी, हैदराबादके आई.ए.एस. प्रशिक्षार्धी अधिकारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण	--	13	--	--	13
14	विशेष कोर्स	राजस्वविभाग, उत्तराखण्ड़ के अधिकारियों के लिये टोटल स्टेशन में कैड़िस्ट्रियल सर्वेक्षण और जीपीएस का उपयोग बैच I	--	20	--	--	20
15	विशेष कोर्स	राजस्वविभाग, उत्तराखण्ड़ के अधिकारियों के लिये टोटल स्टेशन में कैड़िस्ट्रियल सर्वेक्षण और जीपीएस का उपयोग बैच II	--	20	--	--	20
16	विशेष कोर्स	अमृत उप योजना की जीपीआईएस पर आधारित मास्टर योजना टाइर III की सृत्रन (बैच 2)	--	19	--	--	19
17	विशेष कोर्स	आर्क जीआईएस एसडीएमएस का उपयोग करते हुये एनटीडीबी सृजन(बैच-1)	27	--	--	--	27
18	विशेष कोर्स	आर्क जीआईएस एसडीएमएस का उपयोग करते हुये एनटीडीबी सृजन (बैच-2)	48	--	--	--	48
19	विशेष कोर्स	केंद्रीय जल आयोग नईदिल्ली के लिये जियोड़सी	--	22	--	--	22
20	विशेष कोर्स	आर्क जीआईएस एसडीएमएस का उपयोग करते हुये एनटीडीबी सृत्रन(बैच-3)	05	--	--	--	05
21	विशेष कोर्स	आई.आई.टी., हैदराबाद के छात्रों केलिए सर्वेक्षण पर प्रशिक्षण	--	--	--	--	20
22	विशेष कोर्स	बंगलादेश अधिकारियों के लिये फोटोग्रामेट्री	--	--	07	--	07
23	विशेष कोर्स	जीएसआई.संस्थान के कर्मियों के लिये जियोड़सी	--	16	--	--	16

24	विशेष कोर्स	नाटमों कोलकता अधिकारियों के लियेअंकीय फोटोग्रमेट्री एवं सुदूर संवेदन	--	11	--	--	11
		कुल	80	285	7	20	392

परिशिष्ट सी

लघु अवधिकोर्स

क्रं. सं	कोर्ससं	नामपद्धति	विभागीय	अतिरिक्त विभागीय	विदेशी	अन्य	कुल
1.	790.12	जीपीएस टोटल स्टेशन—मूलसूत्र एवं अनुप्रयोग	02	01	--	--	03
2.	800.14	अडवानस्डमानचित्र उपभोक्ता केलिएडेटम, निर्देशांकतंत्र एवं मानचित्र प्रोजेक्शन - संकल्पना	05	--	--	--	05
कुल			07	01	--	--	08

(एस.के.सिन्हा)
कृते अपरमहासर्वेक्षक
भा0सर्वे0 एवं मा0सं0